८. अर्थशास्त्र का परिचय

बताइए तो

अ.क्र.	विवरण	अनुमानित खर्च
(१)	दैनिक भोजन (नाश्ता, खाना आदि) ।	६,०००/-
(२)	कपड़ों की दो जोड़ी खरीदना ।	२,०००/-
(३)	विद्यालयीन साहित्य खरीदना ।	५००/-
(४)	वैद्यकीय खर्च ।	४५०/-
(५)	मनोरंजन ।	५००/-
(६)	मोबाईल भुगतान ।	१,०००/-
(७)	फल, सब्जियाँ खरीदना ।	१,०००/-
(८)	सार्वजनिक यातायात व्यय (बस, रेल, रिक्षा, आदि) ।	२,६००/-
(९)	बिजली का भुगतान ।	१,५००/-
(१०)	पर्यटन ।	४,०००/-
(११)	बैंक का हप्ता ।	३,०००/-
	कुल	**₹ २२,५५०/-**

मानो कि आपके इस माह का खर्च उपरोक्त तालिका के अनुसार है और आपकी मासिक आय रुपये २०,०००/- है । आपकी आय और होने वाले व्यय इनका तालमेल स्थापित करने के लिए इस माह में उपरोक्त में से किस घटक को आप प्राथमिकता देंगे, वह निश्चित कीजिए ।

अपनी प्राथमिकता के अनुसार उपरोक्त तालिका को व्यय सहित फिरसे लिखिए और कक्षा में चर्चा कीजिए ।

(शिक्षकों के लिए सूचना : विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्राथमिकता को देखकर, उसकी आवश्यकतानुसार आय और व्यय इसका व्यवस्थापन कैसे करना पड़ेगा, यह स्पष्ट कीजिए ।)

भौगोलिक स्पष्टीकरण

उपरोक्त कृति के आधार पर चर्चा करने से आपके यह ध्यान में आएगा कि, व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक व्यवस्थापन आय-व्यय अर्थात आर्थिक घटकों से संबंधित होता है । इसी से ही अर्थशास्त्र का जन्म हुआ है ।

अर्थशास्त्र यह संज्ञा ग्रीक भाषा के शब्द आइकोनोमिया (OIKONOMIA) से बनी है । इसका अर्थ होता है, 'पारिवारिक व्यवस्थापन' । पारिवारिक व्यवस्थापन और अर्थशास्त्र इनमें बहुत समानता है ।

समय, पूँजी, श्रम, भूमि और संसाधनों का उचित पद्धति से कैसे उपयोग करें, यह अर्थशास्त्र के कारण समझता है । विविध साधनों का उपयोग कर लोगों की असीमित आवश्यकताएँ किस प्रकार दूर की जाती हैं, इसका अध्ययन अर्थशास्त्र में किया जाता है । लिओनेल राबिन्स के मतानुसार - ''असीमित आवश्यकताओं (लोभ) तथा सीमित दुर्लभ और पर्यायी साधनों में से अपनी आवश्यकता के अनुरूप चयन करने का मानवीय प्रयत्नों का अध्ययन करने वाला शास्त्र अर्थात अर्थशास्त्र है ।''

जिस प्रकार परिवार का आर्थिक व्यवस्थापन होता है, उसी प्रकार गाँव, नगर, राज्य, देश और विश्व का आर्थिक व्यवस्थापन होता है । भौगोलिक दृष्टि से विचार

करें तो विशिष्ट भूप्रदेश का उत्पादन, वितरण उसी प्रकार वस्तु और सेवाओं का उपभोग आदि से संबंधित उपक्रम अर्थात अर्थव्यवस्था कहलाता है ।

वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था के तीन प्रकार किए जाते हैं । नीचे दी गई तालिका देखिए ।

अर्थव्यवस्था के प्रकार

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था	समाजवादी अर्थव्यवस्था	मिश्र अर्थव्यवस्था
• पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों और व्यवस्थापन पर निजी व्यक्ति का स्वामित्व होता है। • अधिकतम लाभ प्राप्त करना, यह पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का प्रमुख उद्‌देश्य होता है । जैसे – जर्मनी, जापान, अमेरिका संयुक्त राज्य आदि देशों ने यह अर्थव्यवस्था स्वीकार की है ।	• समाजवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों का स्वामित्व और प्रबंधन सरकार द्‌वारा किया जाता है । अर्थात इस पर सरकार का स्वामित्व होता है । • सामाजिक कल्याण के लिए अधिकतम लाभ प्राप्त करना, इसका मुख्य उद्‌देश्य होता है, जैसे – चीन, रूस आदि देशों ने समाजवादी अर्थव्यवस्था स्वीकार की है ।	• यह अर्थव्यवस्था सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सह–अस्तित्व से बनती है । • इस अर्थव्यवस्था में लाभ और सामाजिक कल्याण इन दोनों का सहसंबंध रखा जाता है। जैसे – भारत, स्वीडन, युनाइटेड किंगडम आदि देशों ने यह अर्थव्यवस्था स्वीकार की है ।

अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ

इसे सदैव याद रखिए

- अर्थशास्त्र महत्त्वपूर्ण सामाजिक विज्ञान है ।
- विविध व्यवसाय, वित्त आपूर्ति, प्रशासन, कानून उसी प्रकार अपने दैनिक कार्यक्षेत्रों में अर्थशास्त्र का बड़ी मात्रा पर उपयोग किया जाता है ।
- मानव के सामाजिक विकास में अर्थशास्त्र का महत्त्वपूर्ण योगदान है ।

क्या आप जानते हैं?

एडम स्मिथ को अर्थशास्त्र का जनक कहा जाता है। १७७६ में उनके द्‌वारा लिखित ग्रंथ 'राष्ट्र की संपत्ति' (Wealth of Nations) में ''अर्थशास्त्र संपत्ति का शास्त्र है'' यह परिभाषा दी गई है ।

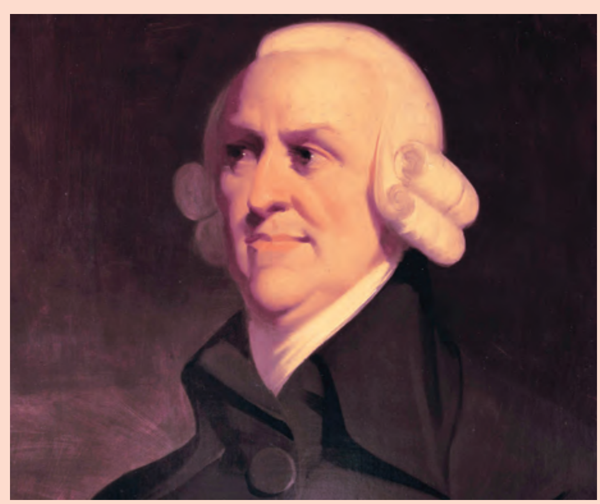

अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण (भूमंडलीयकरण) :

हमारी आर्थिक नीतियाँ अर्थव्यवस्था को वैश्वीकरण की ओर ले जा रही है । वैश्वीकरण अर्थात विश्व अर्थव्यवस्था की निर्मिति ही है ।

वैश्विक अर्थव्यवस्था ऐसी सीमारहित अर्थव्यवस्था होती है जिसमें प्राकृतिक साधनसंपत्ति, लाभ, सेवाएँ, निवेश, श्रम और आधुनिक तकनीक की धारा स्वतंत्र रूप से देश की सीमाओं के बाहर जा सकता है ।

वैश्वीकरण अर्थात देश की अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था के साथ एक समान करना है । इसमें मुक्त व्यापार होता है तथा निवेश से संबंधित सभी बंधन निकाल दिए जाते हैं ।

अर्थव्यवस्था के कार्य

प्रत्येक देश की अर्थव्यवस्था अलग-अलग होती है । फिर भी प्रत्येक अर्थव्यवस्था के प्रमुख कार्य निश्चित होते हैं। अर्थव्यवस्था के कुछ कार्य निम्नानुसार हैं –

- ❖ यह निर्णय लेना है कि, किस वस्तु का कितना उत्पादन करना है ।
- ❖ उत्पादन लागत में अधिक-से-अधिक बचत करना ।
- ❖ राष्ट्रीय आय का न्याय के अनुसार सामाजिक एवं आर्थिक वितरण करना ।
- ❖ भविष्य में आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए उपाय ढूँढ़कर रखना ।
- ❖ उत्पादन किसके लिए करना है इस संदर्भ में भी निर्णय लेना ।

इस प्रकार असीमित आवश्यकताओं और सीमित साधनों के बीच तालमेल स्थापित करने का कार्य अर्थव्यवस्था में किया जाता हैं ।

देखिए तो भला क्या होता है...

समझ लीजिए आप कृषिप्रधान देश के वित्तमंत्री है। देश के सर्वांगीण विकास को प्राधान्यक्रम देकर कम से कम पंचसूत्री रूपरेखा तैयार कीजिए ।

स्वाध्याय

प्रश्न १. नीचे दिए गए वृत्त में प्रश्न चिह्न के स्थान पर उचित जानकारी भरके अर्थव्यवस्था का प्रकार स्पष्ट कीजिए।

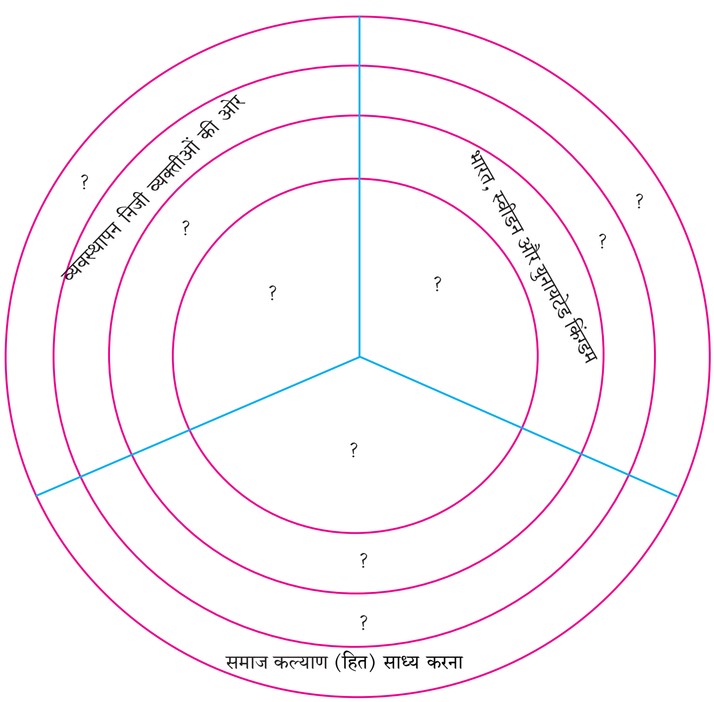

प्रश्न २. स्पष्टीकरण लिखिए ।

(अ) अर्थव्यवस्था का प्रारंभ घर से होता है ।

(आ) भारत की अर्थव्यवस्था मिश्र अर्थव्यवस्था है ।

(इ) अर्थव्यवस्था के अनुसार विश्व में देशों के तीन गुट बनते हैं ।

प्रश्न ३. निम्न प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

(अ) व्यक्तिगत और पारिवारिक व्यवस्थापन किन आर्थिक घटकों से संबंधित होता है?

(आ) अर्थशास्त्र की परिभाषा किस ग्रीक शब्द से निर्मित हुई है?

(इ) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों का स्वामित्व और व्यवस्थापन किसके हाथ में होता है?

(ई) वैश्वीकरण से क्या तात्पर्य है?

उपक्रम :

(१) किसी एक भारतीय अर्थशास्त्री द्वारा अर्थशास्त्र को दिए योगदान की जानकारी संकलित करके कक्षा में प्रस्तुत कीजिए ।

(२) आपके परिवार की आय और व्यय को ध्यान में रखकर आय-व्यय पत्रक तैयार कीजिए ।

***

J19KPP